रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 130 इंदौर, सोमवार 19 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

अबोध आनंद को प्राप्त करना ही सहजयोग है

अबोधिता या मासूमियत एक ऐसा भाव या अवस्था है जो व्यक्ति को देवतुल्य बना देती है। अबोधिता को यदि समझना है तो हमें उस बचपन की ओर देखना चाहिए जिसका परिचय दुनिया के मायावी संसार से नहीं हुआ है। सहजयोग में श्री गणेश इस अबोधिता के प्रणेता होते हैं वे ही इसकी रक्षा करते हैं। इसी अबोधिता के कारण ही सहजयोगी चिर आनंद में रहते हैं। जो बालसुलभ मस्ती को नहीं पा सकता उसकी ईश्वर से एकाकारिता नहीं हो सकती। वास्तव में आनंद ही सहजयोग है। सहजयोग संस्थापिका आदिशक्ति श्री माताजी ने इसी आनंद की व्याख्या इस प्रकार की है कि, "मासूमियत वह तरीका है जिससे आप वास्तव में दूसरों को मज़ा देते हैं, इसका मज़ेदार हिस्सा बनते हैं। मज़ा तो मासूमियत से ही पैदा होता है. और मासूमियत ही एकमात्र तरीका है जिससे आप वास्तव में आनंद भी प्राप्त कर सकते हैं।

वह आनन्द और कुछ नहीं बल्कि खिलना है। यह किसी को चिढ़ाता नहीं है, किसी को चोट नहीं पहुंचाता है, किसी को परेशान नहीं करता है, लेकिन बस खिलता है, पूरी बात, सुगंध में। यह परमात्मा की तरकीब है। इसमें उससे भी अधिक कुछ ऊंचा है, कि यदि आप निर्दोष (अबोध) हैं, तो आप वास्तव में आनंद का अनुभव कर सकते हैं। तो, एक निर्दोष व्यक्ति ही किसी ऐसी चीज का आनंद महसूस कर सकता है जिसे एक बहुत ही गंभीर और एक बहुत ही तर्कसंगत व्यक्ति कभी नहीं देख सकता है। एक निर्दोष व्यक्ति किसी बात पर जोर से हंस सकता है, दूसरे लोगों के लिए यह कुछ मजाकिया नहीं भी हो सकता है। तो, आनंद -सृजन कोई संदेहास्पद चीज़ नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा, सरल, एक सहज खिलना है। श्री माताजी निर्मला देवी, (22 अगस्त 1982) जीवन के इसी आनंद को प्राप्त करना सहजयोग का उद्देश्य है। आनंद की यह अवस्था आपको वर्तमान में स्थापित कर भयमुक्त जीवन प्रदान करती है। सहजयोग ध्यान के इस निरानंद को प्राप्त करने हेतु नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा पुण्य श्लोका माता अहिल्या देवी की प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

इंदौर। पुण्य श्लोका मां अहिल्या की 300 वी जयंती के अवसर पर राजवाड़ा स्थित मां अहिल्या की प्रतिमा पर नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा जी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सहित जनप्रतिनिधियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री तुलसी सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, वरिष्ठ नेता श्री कृष्णमुरारी मोघे,विधायक श्री महेंद्र हार्डिया,श्री रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक श्री गोपीकृष्णा नेमा,श्री सुदर्शन गुप्ता, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्री दीपक जैन टीनू,श्री बबलू शर्मा,श्री कैलाश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता श्री आलोक दुबे, मीडिया प्रभारी श्री रितेश तिवारी, सह मीडिया प्रभारी श्री नितिन द्विवेदी उपस्थित रहे।

भारतीय सेना के सम्मान में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन

आशीष शर्मा

सनावद-भारतीय सेना के सम्मान में रविवार को विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिकों, राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के साथ आम नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। विधायक सचिन बिरला ने कहा कि तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के समर्थन में निकाली जा रही है। पूरा देश सेना के साथ खड़ा हुआ है और प्रत्येक भारतीय को सेना की वीरता पर गर्व है। तिरंगा यात्रा मुरली मनोहर मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई और नगर के प्रमुख मार्गों और चौराहों से होते हुए बस स्टेंड स्थित गांधी प्रतिमा पर समापन हुआ। तिरंगा यात्रा के दौरान भारतीय सेना के सम्मान में नारे लगाए गए। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकियों के हमलों के जवाब में मिशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक कर ध्वस्त कर दिया।

तिरंगा यात्रा में पूर्व विधायक हितेंद्रसिंह सोलंकी,भाजपा मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर,दिनेश शर्मा,विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण पटेल,अनिता बंसल, ओम वर्मा,अनिल अजमेरा,रामचरण कुशवाह,जितेंद्र राठौड़,राजा चौरसिया,धर्मेंद्र मसंद,मोहित यादव,संजय राठौर,बंशीलाल चौधरी,सरोज

इंगला,दिनेश गोलकर,पार्षद गंगाभारती शर्मा,अमिता मंत्री,संजय वर्मा,सुरेश सोलंकी,शुभम शर्मा, सहित

काम से मिली पहचान, सफाई मित्रों का हुआ सम्मान

इन्दौर 18 मई। सत्यदेव नगर स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर समिति द्वारा रविवार को सफाई मित्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्षद व एमआईसी सदस्य अभिषेक शर्मा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि इन्दौर काम से इन्दौर को विश्व स्तर पर स्वच्छता का को स्वच्छता में नंबर-1 की पहचान दिलाने में मुख्य भूमिका इन्हीं सफाई मित्रों की है। इनके तमगा मिला है। सफाई मित्रों ने अपने काम से अपनी पहचान के साथ ही इन्दौर का मान भी बढ़ाया। ऐसे सफाई मित्रों का सम्मान करना हमारे लिए गर्व की बात है। मंदिर समिति के पंडित रवि शुक्ला ने बताया कि सफाई मित्रों का सम्मान शाल-श्रीफल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में रहवासियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में आमजन भी मौजूद रहे।

भिलाला समाज के धर्मशाला के निर्माण के लिए भव्य कार्यक्रम हुआ

रणजीत टाइम्स -अनिल चौधरी

इंदौर - इंदौर नगर के विदुर नगर में भिलाला समाज के धर्मशाला के निर्माण के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि भिलाला समाज धर्मशाला यह समाज की एकजुटता दिखाई देती है जिससे जरूरत मंद विद्यार्थियों को एवम् सामाजिक कार्यक्रमों के लिए एक बड़े शहर में बड़ा माध्यम मिल जाएगा, उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के बारे मे भी बताया की इससे बचाव के तरीके पर प्रकाश डाला। मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने कहा कि ऐसे बड़े सामाजिक कार्यक्रमों से समाज मे जागरूकता आती है, विशेषकर नशा मुक्ति, रूढ़िवादी कुरीतियों को दूर करने में और इसका प्रभाव अब सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिखने लगा है। खरगौन बड़वानी के लोक सभा सांसद गजेंद्र पटेल ने कहा कि हम सब का यह दायित्व बनता है कि समाज के धर्मशाला में खुलकर आर्थिक सहायता करनी चाहिए जिससे समस्त विकास का केंद्र अपने समाज का धर्मशाला वने, इंदौर जैसे बड़े शहर में होने से

विविध प्रकार से यह भवन समाज के उत्थान में अहम साबित होगा। मनावर विधायक डॉ हीरालाल अलावा ने कहा कि हमें अपने इस सामाजिक कार्यक्रम पर गर्व होना चाहिए, यह समाज को नई दिशा प्रदान करता है। बडवानी विधायक राजेंद्र मंडलोई ने कहा कि अब हमारा समाज विकास की मुख्य धारा में शामिल होने के लिए ऐसे कार्यक्रमों के निकल पड़ा है और इसे हम अभी रुकने नहीं देंगे। कार्यक्रम में सभी राजनीतिक प्रतिनिधियों एवं अन्य पदाधिकारियों ने भिलाला समाज के धर्मशाला सह सामुदायिक भवन के लिए सहयोग राशि एवम् सामग्री देने की घोषणा की कार्यक्रम के आरंभ में भिलाला समाज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बी एस जामोद ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवम् जय ओंमकार भिलाला समाज संगठन के उद्देश्यों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। स्वागत उ्बोधन इंदौर जिला भिलाला समाज अध्यक्ष मनीष ठाकुर ने सभी अतिथियों का परिचय करवाते हुऐ किया। इस अवसर पर पूर्व जय ओमकार भिलाला समाज संगठन के अध्यक्ष, वर्तमान राज्य स्तरीय एवम् जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय अध्यक्ष एवम् समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन डॉ बी एस मुजाल्दा ने किया।

कुंडलिनी जागरण द्वारा आश्चर्यजनक लाभ प्रदान करता है सहजयोग ध्यान

सहजयोग ध्यान, कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति की एक सनातन, वैज्ञानिक व प्रमाणिक पद्धति है जिसकी जटिलताओं को परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अत्यंत सहज बना दिया है। श्री माताजी ने कुंडलिनी जागरण द्वारा चक्रों व नाड़ियों के संतुलन व जागृति से साधकों को होने वाले लाभ का वर्णन अपनी पुस्तक 'परा आधुनिक युग' में इस प्रकार किया है - "कुण्डलिनी जागृति के परिणाम स्वरूप आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति ने आश्चर्यजनक परिणाम दर्शाए हैं। यह नई सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। बहुत से लोग कवि, संगीतकार तथा कलाकार बन गए हैं और अपनी-अपनी प्रतिभाओं में महान बुलन्दियाँ प्राप्त कर ली हैं। आर्थिक समस्याएं दूर हो गई हैं, मनौदेहिक रोगों जैसे कैंसर, मेरुरज्जुशोथ (myelitis रीढ़ की हड्डी का रोग) से मुक्ति मिल गई है। बिना दवाइयों के बहुत से असाध्य रोगों से मुक्ति प्राप्त हो जाती है। साधक जीवनरूपी नाटक का साक्षी बन जाता है और उसमें आन्तरिक शान्ति स्थापित हो जाती है। वह सभी धर्मों का सम्मान करता है तथा अन्तर्जात शाश्वत धर्म से जुड़ जाता है, ऐसे धर्म से जो विश्व के सभी धर्मों का समावेश अपने में किए हुए हैं। सच्चरित्र उनमें अन्तर्जात तथा स्वैच्छिक हो जाता है। पूर्णपरिवर्तन के पश्चात् वह अनैतिक कार्यों के विरुद्ध हो जाता है। आत्मा के प्रकाश में वह उचित-अनुचित को भलीभांति जान जाता है तथा सभी विनाशकारी चीज़ों को त्यागने के कारण स्वच्छ एवं पावन बने रहने की शक्ति उसमें आ जाती है। बिना किसी सन्देह जिन सद्गुणों का वह सम्मान करता है उनका वह आनन्द उठाता है तथा चरित्रवान मानव बन जाता है। मस्तिष्क से परे, उसे पहले निर्विचार चेतना प्राप्त हो जाती है और तत्पश्चात् निर्विकल्प चेतना । इस अवस्था पर पहुँचकर सहजयोगी अन्य लोगों को आत्मसाक्षात्कार प्रदान कर सकता है। उस पर बुढ़ापे का असर नहीं होता, इसके विपरीत सहजयोगी अपनी आयु से कम से कम बीस वर्ष युवा प्रतीत होता है तथा युवा हो जाता है। वे सार्वभौमिक व्यक्ति बन जाते हैं। वासना, लोभ, क्रोध, स्वामित्वभाव, ईर्ष्या और मोह आदि मानवशत्रु, लुप्त हो जाते हैं। इस प्रकार सन्तों की एक नई प्रजाति का सृजन होता है जिन्हें अपनी निर्लिप्सा या सन्यास का प्रदर्शन करने के लिए किसी भी चीज का त्याग नहीं करना पड़ता।" अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 19 मई 2025
03
DIGITAL EDITION

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मध्यभारत प्रांत के शिक्षा वर्ग प्रारंभ

प्रान्त के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक ले रहे हैं प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ, मध्यभारत प्रांत में स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण के लिए तीन संघ शिक्षा वर्गों आयोजित किये गए हैं। इनमें मध्य भारत प्रान्त के संघ रचना के 31 जिलों के 801 स्वयंसेवक शामिल हुए हैं। तरुण व्यवसायी कार्यकर्ताओं का वर्ग रायसेन, महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्यकर्ताओं का वर्ग सिरोज और 40 वर्ष से अधिक आयु के स्वयंसेवकों के लिए संघ शिक्षा वर्ग विशेष का आयोजन विदिशा में किया जा रहा है। संघ शिक्षा वर्ग में शामिल शिक्षार्थियों को शारीरिक, बौद्धिक, योग, सेवा, प्रबंधन और संघ कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है। 15 दिन के इस वर्ग में युवा कठोर अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हुए अपने व्यक्तित्व को मजबूत करेंगे। इस दौरान स्वयंसेवक मोबाइल फ़ोन से भी पूरी तरह दूर रहते हैं।

तीनों ही स्थानों पर संघ शिक्षा वर्ग 17 मई से प्रारंभ हो गए हैं, जिनका औपचारिक उद्घाटन 18 मई को किया गया। विदिशा के संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन सर्वाधिकारी श्री हरिश्चंद्र शर्मा और मध्य भारत प्रांत के प्रांत प्रचारक श्री विमल गुप्ता ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। वहीं, रायसेन में सर्वाधिकारी श्री अशोक कुशवाह, प्रान्त कार्यवाह श्री हेमन्त सेठिया एवं सह प्रान्त कार्यवाह श्री संतोष मीणा ने वर्ग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही सिरोंज में महाविद्यालयीन विद्यार्थी संघ शिक्षा वर्ग का उद्घाटन वर्गाधिकारी श्री प्रहलाद सबनानी, वर्ग कार्यवाह श्री त्रिवेश लोधी, वर्ग पालक श्री सुरेन्द्र सिंह एवं प्रान्त सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने किया।

सामूहिक जीवन को समझने का अवसर है वर्ग : श्री मीणा

रायसेन में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्रान्त सह कार्यवाह श्री संतोष मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से प्रतिवर्ष अपने कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया जाता है। संघ शिक्षा वर्ग में हमें मन की साधना, स्व-अनुशासन, त्यागपूर्ण जीवन, सामूहिक जीवन के सामंजस्य को सीखते हुए विविध प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना है। यहाँ हमें सामूहिक जीवन को व्यापक संदर्भ में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि वर्ग में हमें स्वयं के लिए कठोर अनुशासन का पालन करना है और अपनी सुविधा से पहले सह-शिक्षार्थियों की सुविधा का ध्यान रखना है।

बौद्धिक क्षमता बढ़ाते हैं वर्ग : श्री दीक्षित

सिरोंज में प्रान्त सह कार्यवाह श्री विजय दीक्षित ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग में हम विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, जिससे हमें संघ कार्य की स्पष्ट मिलती है। शारीरिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए तो जिम भी है, किन्तु बौद्धिक दृष्टि से सक्षम होने के लिए कोई जिम नहीं होती। ये वर्ग कार्यकर्ता की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक को सांस्कृतिक एवं सामाजिक योद्धा बनना पड़ेगा और उसके लिए भारत को जानो, भारत की मानो और भारत के बनो।

यह प्रशिक्षण लेंगे स्वयंसेवक

इन वर्गों में स्वयंसेवक शारीरिक, बौद्धिक, व्यवस्था, प्रबंधन, सेवा और संस्कार के साथ-साथ योग-व्यायाम, दंड संचालन, नियुद्ध एवं खेलों के माध्यम से ना केवल शरीर को सबल बनाएंगे अपितु मानसिक रूप से भी सबल होने का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। विदिशा के वर्ग में प्रान्त के 183 स्वयंसेवक, रायसेन में 235 एवं सिरोंज में आयोजित वर्ग में 383 कार्यकर्तृता प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि जिन स्वयंसेवकों ने पूर्व में 7 दिन के प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त किया होता है और जो संघ के कार्य में सक्रिय रहते हैं, उनमें से ही चयनित कार्यकर्ताओं को संघ शिक्षा वर्गों में भेजा जाता है।

समाज परिवर्तन का केंद्र बने शाखा : श्री गुप्ता

विदिशा में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रान्त प्रचारक श्री विमल गुप्ता ने कहा कि हिंदू जीवन चार आश्रमों पर आधारित है। जिनमे चौथा आश्रम संन्यास आश्रम है, जो व्यक्ति को मोक्ष की राह पर ले जाता हैं। वर्ग में आए हुए हम सभी साधक हैं और अपनी साधना को सफल करने के लिए इस वर्ग में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने कहा कि साधना कठिनता से सफल होती हैं। जो कठिनाइयों में जी नहीं सकता, वह कभी साधक नहीं बन सकता है। उन्होंने कहा कि हमे अपने जीवन में देश भक्ति वैराग्य हमेशा बनाकर रखना चाहिए। समाज में शाखा की भूमिका जागरण श्रेणी के माध्यम से स्पष्ट हो सके और शाखा समाज परिवर्तन का केंद्र बन सके इसलिए हम वर्ग में प्रशिक्षण लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ग में स्वयंसेवकों को शाखा की सामाजिक भूमिका की संकल्पना की स्पष्टता, व्यवस्थापन का मूल तत्व (समय, व्यक्ति और कार्य) का प्रबंधन और संगठन की रीति-नीति का परिचय मिलेगा। उन्होंने स्वयंसेवकों को कहा कि वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हमारे जीवन में संघ संस्कार की अभिव्यक्ति का मानस बनाना चाहिए, समूह में काम करने का हमारा स्वभाव विकसित हो और संघ के वैचारिक अधिष्ठान हिंदुत्व, राष्ट्रीयता की स्पष्टता भी होनी चाहिए।

भोपाल में मौलाना गैंग का एक और सदस्य गिरफ्तार

आरोपी शरीफ बच्चा ने की थी फायरिंग, 12 दिन से था फरार

भोपाल (नप्र)। भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने जुबेर मौलाना गैंग के सदस्य शरीफ बच्चा को गिरफ्तार कर किया है। आरोपी ने इंद्रा नगर में रहने वाले बदमाश साद के साले फैसल पर 6 मई को फायरिंग की थी। इसके बाद से ही फरार चल रहा था। 12 मई को पुलिस ने आरोपी जुबेर मौलाना सहित केस के अन्य तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपी शरीफ ने जहां फायरिंग की थी, रविवार को उसका वहीं जुलूस निकाला गया।

घटना के बाद से था फरार- 6 मई को जुबेर मौलाना ने अपने 10-12 साथियों के साथ साद निवासी मंगलवारा के घर पहुंच कर साद समझ कर सैफ के ऊपर जान से मारने की नीयत से अवैध फायर आर्म्स से फायर किया। इसके बाद साद के साले फैसल जो कि इंद्रानगर थाना टीला जमालपुरा मे रहता है, उसके घर पर जुबेर मौलाना व उसके लगभग 10-12 साथियों ने आकर अवैध फायर आर्म्स से हवाई फायर किया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी।

ऐसे पकड़ा गया अपराधी शरीफ बच्चा- रविवार को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि इस्लामी गेट के पास बैरसिया बस स्टैण्ड पर जुबेर मौलाना का गुर्गा शरीफ उर्फ बच्चा भोपाल से भागने की फिराक में खड़ा है। जिस के बाद पुलिस ने आरोपी शरीफ को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

नवाचार से गतिमान हुआ सहकारी आंदोलन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता विभाग में नित नये नवाचार किये जा रहे हैं और नवाचार से गति पकड़ता जा रहा है मध्यप्रदेश सहकारी आंदोलन गतिमान हुआ है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भोपाल के राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन में बताया कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिये प्रदेश की सराहना की।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के लिये लगभग हर माह सहकारिता संबंधी आयोजन करने का संकल्प लेकर काम किया जा रहा है। इसमें अधिकारियों-कर्मचारियों के आचरण और व्यवहार की ऑनलाइन ट्रेनिंग करवायी जा रही है। नवाचार और अच्छा कार्य करने वालों को साल के अंत में उत्कृष्ट कर्मी के रूप में सम्मानित भी किया जायेगा। सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिये मध्यप्रदेश की हर पंचायत पर पैक्स स्थापित किये जायेंगे। सहकारिता के महत्व के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिये विभाग के तहत सभी स्तर के विभागीय कार्यालय, सहकारी संस्थाओं में स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' अभियान के तहत स्वच्छता दिवस कार्यक्रम मनाया गया।

नई दिल्ली के इण्डिया हेबिटेड सेंटर में आयोजित 100वें राष्ट्रीय स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन ऑटोमेशन प्रोजेक्ट आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के तहत सहकारिता क्षेत्र में कुल 2305 करोड़ राशि में 19 एमओयू हुए। यह एक क्रांतिकारी पहल है, जब नये सीपीपीपी मॉडल के तहत इतने एमओयू सहकारिता क्षेत्र में हुए।

विभाग की गतिविधियों पर निरन्तर ध्यान दिया जा रहा है। सहकारिता विभाग में 25 कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गयी। अब विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति का एक भी प्रकरण लंबित नहीं है। इसी प्रकार अपेक्स बैंक एवं जिला सहकारी बैंकों में आईबीपीएस से भर्ती प्रक्रिया की जा रही है। अपेक्स बैंक में 47 अधिकारियों की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हुई है और 197 की भर्ती प्रक्रियाधीन है। जिला सहकारी बैंकों में 1099 समिति प्रबंधक और 1568 बैंकिंग सहायक की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गयी है और 2675 पदों पर भर्ती की अनुमति प्राप्त कर ली गयी है।

मध्यप्रदेश में भारत सरकार से प्राप्त मॉडल बायलॉज सभी पैक्स में लागू कर पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एम-पैक्स की स्थापना की जा रही है। प्रथम चरण में 637 नये एम-पैक्स के गठन की कार्यवाही शुरू है। प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर बैंकिंग सुविधा आमजन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की 773 शाखाओं और उनसे संबद्ध 4000 पैक्स संस्थाओं द्वारा लगभग 4800 माइक्रो एटीएम का संचालन किया जा रहा है। माइक्रो एटीएम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सरल एवं शीघ्र लेन-देन की बैंकिंग सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

मध्यप्रदेश सरकार किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम कर रही है। बीज संघ को उन्नत स्तर पर पहुँचाने का प्रयास जारी है। बीज संघ से चीता बीज के नाम से नया ब्रॉण्ड लांच किया जा रहा है। पैक्स के माध्यम से चीता बीज का वितरण किया जायेगा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में मध्यप्रदेश ने भी कैलेण्डर बनाकर सहकारी आंदोलन के माध्यम से लोगों को जोड़ने और पारदर्शिता लाने का काम किया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के माध्यम से सेवाओं की पूर्ति पर भी काम किया जा रहा है। गाँव की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर 3 शीर्ष स्तर की संस्थाएँ बनायी गयी हैं। इससे सहकारी आंदोलन सशक्त हुआ है।

भारत सरकार द्वारा देश की सभी सहकारी संस्थाओं की जानकारी राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल पर अपलोड करायी जा रही है। मध्यप्रदेश की सभी सहकारी संस्थाओं की एन्ट्री पोर्टल पर कर दी गयी है।

मध्यप्रदेश, भारत सरकार की सहकारिता की गतिविधियों में लगातार कदम से कदम मिलाकर सहकारिता आंदोलन को गति देने का काम कर रहा है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश सहकारिता के कई आयामों में अग्रणी होगा।

भारत की वॉटर स्ट्राइक से बिलबिलाने लगा पाकिस्तान

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा। भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा पोषित और प्रेषित आतंकियों ने निर्दोष नागरिकों का धर्म पूछकर नृशंस हत्या की। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने जहां पाकिस्तान को सैन्य मोर्चे पर तबाह कर दिया वहीं, उससे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले से पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा दिया है। भारत ने सिंधु जल संधि को ऐसे समय में निलंबित किया है जब पाकिस्तान पहले से ही जल संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में छह नई नहरें बनाने की योजना भी विवादों में फंसी है।

इतिहास के आलोक में अगर बात की जाए तो सिंधु जल समझौते के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु घाटी को 6 नदियों में विभाजित करने को लेकर नौ साल तक वार्ता चली और भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रहे जवाहर लाल नेहरू और पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अयूब खान के मध्य 19 सितंबर 1960 में सिंधु जल संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता से कराची में समझौता हुआ।

इस संधि के तहत सिंधु बेसिन की तीन पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज का पानी भारत को आवंटित किया गया। वहीं तीन पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब के जल का 80 फीसदी हिस्सा पाकिस्तान को आवंटित किया गया। समझौते में जिस तरह से जल का बंटवारा किया गया उससे तत्कालीन भारत के प्रधानमंत्री और सरकार की रीति–नीति का समझा जा सकता है। पीएम नेहरू ने देशहित की बजाय पाकिस्तान के हितों का अधिक ध्यान रखा। यह संधि पाकिस्तान में कृषि और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए बहुत अहम है और पाकिस्तान में 80 प्रतिशत सिंचाई के पानी की आपूर्ति इन्हीं नदियों के पानी से होती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 65 साल पहले हुई इस जल संधि के तहत दोनों देशों के बीच नदियों के जल प्रबंधन को लेकर समझौता हुआ था। नदियों को बांटने का ये समझौता कई युद्धों, मतभेदों और झगड़ों के बावजूद 65 वर्षों से अपने स्थान पर यथावत रहा। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने जिन कड़े कदमों की घोषणा की उनमें यह सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। भारत द्वारा संधि को निलंबित करना इसकी स्थापना के बाद से पहली बार है, जो सीमा पार आतंकवाद से जुड़ी जल कूटनीति में बदलाव का संकेत है। यह भारत के दृष्टिकोण में बदलाव को दर्शाता है।

2016 में उरी में भारतीय सेना के एक शिविर पर हमले के बाद डेढ़ सप्ताह बाद हुई एक समीक्षा बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, %%खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं।%% प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान का इशारा सिंधु जल समझौते की ही ओर था। 2019 में पुलवामा में सुरक्षाबलों पर हमले के बाद केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बयान देते हुए कहा था, ÷सरकार ने पाकिस्तान को पानी के वितरण को रोकने का फैसला किया है।÷ अगस्त 2019 में भारत के तत्कालीन जल संसाधन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने

कहा था, ÷सिंधु जल संधि का उल्लंघन किए बिना पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने के लिए काम शुरू हो गया है।÷

भारतीय सेना से करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान अब पानी को लेकर भारत के सामने गिड़गिड़ाने लगा है। पाकिस्तान की सरकार ने 14 मई को भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखकर सिंधु जल समझौते को स्थगित करने को लेकर दोबारा विचार करने की अपील की है। वहीं, एक महत्वपूर्ण बात और भी है कि पाकिस्तान की ये अपील तब की गई जब भारत चिनाब नदी पर बगलिहार और सलाल जलविद्युत परियोजनाओं में फ्लशिंग और डिसिल्टिंग का काम शुरू कर दिया है।

पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सय्यद अली मुर्तज़ा ने भारत को लिखी चिट्ठी में कहा, ÷सिंधु जल समझौता स्थगित होने की वजह से पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।÷ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने 13 मई को कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को फिर से शुरू नहीं करता है और हमारी तरफ आने वाले पानी को मोड़ने की कोशिश करता है तो दोनों देशों के बीच लागू हुआ संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। सिंधु जल संधि पर चर्चा के लिए पाकिस्तान की ये पेशकश उसकी छटपटाहट को साफ दिखा रही है। यह पहली बार नहीं था जब भारत सरकार ने 1960 में दोनों देशों के बीच हुई इस संधि में बदलाव की मांग की थी। दो साल पहले भारत ने पाकिस्तान को इस संबंध में नोटिस भेजा था लेकिन इस नोटिस में सिर्फ %बदलावों% के बारे में बात की गई थी। हालांकि अगस्त 2024 में भेजे नोटिस में भारत ने बदलावों के साथ-साथ समझौते की %समीक्षा% करने की भी बात की थी। इसमें %सीमा पार से आतंकवादी गतिविधियों% का भी उल्लेख किया गया था। इसमें भी भारत की ओर से कहा गया था कि %सीमा पार से आतंकवाद% इस समझौते के सुचारू रूप से संचालन में बाधा है। लेकिन पाकिस्तान ने इस पर कोई उत्तर नहीं दिया, अब जबकि भारत ने समझौते को स्थगित कर दिया है तो पाकिस्तान घुटनों पर आ गया है।

15 मई को एक कार्यक्रम में संवाददाताओं ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से जब सिंधु जल समझौते को लेकर प्रश्न किया, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह समझौता अभी निरस्त ही रहेगा। भारत सरकार इस पर पुनर्विचार करने के लिए तैयार नहीं है और इस मामले में पाकिस्तान के साथ बातचीत नहीं होगी। विदेश मंत्री के ताजा बयान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के नाम संबोधन में स्पष्ट कर चुके हैं कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की जल सुरक्षा को खतरा है, क्योंकि इसकी 80 प्रतिशत कृषि भूमि इन नदियों पर निर्भर है। इस व्यवधान से खाद्य सुरक्षा, नगरीय जल आपूर्ति और विद्युत उत्पादन पर प्रभाव पड़ेगा साथ ही पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद में सिंधु नदी तंत्र के 25 प्रतिशत योगदान के कारण आर्थिक अस्थिरता भी उत्पन्न होगी। नदी प्रवाह डेटा को रोकने की भारत की क्षमता से पाकिस्तान की सुभेद्यता और बढ़ जाएगी तथा बाढ़ तत्परता और जल संसाधन प्रबंधन में बाधा उत्पन्न होगी। भावार्थ यह है कि आने वाले समय में पाकिस्तान में जल संकट से सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ना तय है। पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत में जल बंटवारे को लेकर पुराना विवाद है। वर्तमान जल संकट ये विवाद और गहराएगा।

भारत अब अपने हिस्से की तीनों नदियों रावी, ब्यास और सतलुज के जल को अपने लिए प्रयोग करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के इन कदमों से पाकिस्तान को लंबे समय में नुकसान पहुंचना अवश्यम्भावी है। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पाकिस्तान से बात होगीज्तो टेरेरिज्म पर होगीज पाकिस्तान से बात होगी..तो पीओके पर होगी। अब पाकिस्तान को यह तय करना है कि वो आतंकवादियों का साथ देगा या फिर अपने प्यासे खेतों और नागरिकों की प्यास बुझाने के लिये शांति और शालीनता के मार्ग का चुनाव करेगा।

कुछ अमेरिकी गिद्ध ऋणदाताओं के लालच से बर्बाद हुआ शिक्षा मिशन,100 करोड़ का लोन लेना बड़ी गलती :बायजू रवींद्रन

दुबई, एजेंसी। बायजू रवींद्रन ने कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं।

भारत की एक समय की मशहूर एडटेक दिग्गज कंपनी बायजूस के संस्थापक बायजू रवींद्रन ने पहली बार कंपनी के तेजी से उत्थान और पतन के बारे में खुलकर बात की है। इसे वह भारत के लिए एक खोया हुआ अवसर कहते हैं। उनका सपना दस लाख शिक्षण नौकरियां पैदा करने का था, लेकिन यह मिशन अमेरिका में कुछ गिद्ध ऋणदाताओं के लालच के कारण पटरी से उतर गया।

रवींद्रन ने एक समाचार एजेंसी के साथ मुलाकात में कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले

दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं। एक समय 22 अरब डॉलर के मूल्य वाली बायजूस को वित्तीय समस्याओं, विनियामक मुद्दों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा है। इस कारण रवींद्रन बायजू इस समय दुबई में बस गए हैं। उन्होंने रणनीतिक चूक को स्वीकार किया और मजबूत इक्विटी विकल्पों के बावजूद 100 करोड़ रुपये का टर्म लोन लेने के कंपनी के विकल्प ने अंततः कंपनी को आक्रामक बाहरी दबावों के सामने उजागर कर दिया।

हम जल्दी लौटेंगे, पुनर्निर्माण करेंगे- रवींद्रन ने कहा, मैं हार नहीं मान रहा हूं। जैसे ही हम नियंत्रण में आएंगे और नियंत्रण 100 प्रतिशत मेरे पास होगा, हम पुनर्निर्माण करेंगे। बायजू 3.0 हमारा मिशन है। मैं यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि वह क्या होगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे फिर से उसी मिशन पर बनाया जाएगा, जो छात्रों में सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। बायजू की सह-संस्थापक और बायजू रवींद्रन की पत्नी दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, हम बाहर नहीं जाते। हम पार्टी नहीं करते। हम नेटवर्क नहीं बनाते। सब झूठ है। हमारे पास कोई लग्जरी कार या घर नहीं है। जब हालात खराब हो गए, तो जो लोग मायने रखते थे, वे हमारे साथ रहे। हमारा दायरा नहीं बदला। जब हम इतने ऊपर पहुंच गए, तब भी इसने हमें जमीन से जुड़ा रखा।

तीन-चार निवेशकों ने कंपनी को हथियाने की कोशिश की

बायजू ने कहा, मैं अपने सभी निवेशकों को दोष नहीं दे रहा हूं। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हर संभव नुकसान उठाने की कोशिश करता हूं, लेकिन कुछ सड़े हुए लोग भी हैं। यह सिर्फ तीन या चार निवेशक हैं, जिन्होंने कुछ ऋणदाताओं के साथ मिलकर कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की है।

कुछ गलतियां हमने भी कीं

रवींद्रन ने कहा, जब हमने भारत से पूरी दुनिया में विस्तार करने की कोशिश की, तो हमने कुछ व्यावसायिक गलतियां कीं। शायद हम इसे थोड़ा धीरे कर सकते थे। हम बहुत जल्दी, बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। हम भारत से 21 नए देशों में चले गए। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, 2019 से 2021 के संदर्भ में, कोविड युग में, हमारे पास 160 विश्व स्तरीय निवेशक और इक्विटी निवेशक हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी झटकों के कारण निवेशकों द्वारा वादे गलत हुए, इससे योजनाएं प्रभावित हुईं।

बजाज आलियांज़ लाइफ ने लॉन्च की सुपर फ्लेक्सिबल मार्केट-लिंक्ड पेंशन योजना

नए फंड ऑफर से जुड़ा, बजाज आलियांज़ लाइफ निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स पेंशन फंड दीर्घकालिक धन सृजन को बढ़ावा देगा

पुणे एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की प्रमुख बीमा कंपनियों में से एक, बजाज आलियांज़ लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज आलियांज़ लाइफ स्मार्ट पेंशन योजना लॉन्च की है जो यूनिट-लिंक्ड, गैर-भागीदारी वाली व्यक्तिगत पेंशन योजना है। यह ग्राहकों को अपनी सेवानिवृत्ति योजना पर अधिक नियंत्रण रखने में मदद करती है। यह योजना, सेवानिवृत्ति कोष तैयार करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिसका उपयोग जीवन भर की गारंटीशुदा आय हासिल करने और सेवानिवृत्त के बाद के दिनों में जीवन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा सकता है। यह योजना हाल ही में लॉन्च किए गए बजाज आलियांज़ लाइफ निफ्टी 200 अल्फा 30 इंडेक्स पेंशन फंड से जुड़ी है, जो लोगों को वित्तीय रूप से सुरक्षित सेवानिवृत्ति की योजना बनाने में मदद करने के लिए उच्च विकास क्षमता प्रदान करती है। ग्राहक अपने जोखिम-लाभ से जुडी प्राथमिकताओं के आधार पर इस उत्पाद के अंतर्गत उपलब्ध पांच अन्य फंड विकल्पों में से भी चुन सकते हैं।

नारायणा स्कूल ने ऑपरेशन सिंदूर की विजय को मनाने निकाली झंडा रैली

भोपाल। नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, जो केम्पफोर्ट पब्लिक स्कूल का संचालन करता है , के शिक्षकों ने वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने व ऑपरेशन सिंदूर की विजय को मनाने हेतु झंडा रैली में दिखाई चमक। आज का दिन गर्व और देशभक्ति से भरा रहा, जब नारायणा स्कूल के समर्पित शिक्षकों ने झंडा रैली में भाग लेकर हमारे वीर सैनिकों के अद्भुत साहस और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि दी, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की गौरवशाली सफलता का जश्न भी मनाया। उच्च ध्वजों के साथ और ऊँचे हौसलों के साथ, हमारे शिक्षकों ने एकजुटता में मार्च किया, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति, गर्व और जोश की भावना से भर दिया। उनका उत्साही योगदान न केवल हमारे राष्ट्रीय नायकों को नमन था, बल्कि विद्यार्थियों और सम्पूर्ण समुदाय के लिए साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा भी बना।

पाकिस्तान में भुखमरी : गंभीर खाद्य असुरक्षा से प्रभावित हो सकते हैं एक करोड़ से ज्यादा लोग, यूएन की रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पाकिस्तान में गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति बनी रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल करीब 1.1 करोड़ लोग प्रभावित हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पाकिस्तान में गंभीर खाद्य असुरक्षा (भुखमरी) बनी रही। रिपोर्ट में बताया गया कि करीब 1.1 करोड़ लोगों को इस असुरसामना करना पड़ सकता है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की खबर में रविवार को यह जानकारी दी गई।

एफएओ की खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट-2025 के मुताबिक, पाकिस्तान के 68 ग्रामीण जिले की 22 फीसदी आबादी को गंभीर खाद्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसमें खासकर बाढ़ प्रभावित बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा भी शामिल हैं। इसमें से 17 लाख लोग आपात स्थिति में हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में

भूखमरी की स्थिति का सर्वेक्षण किया गया था, तब 3.67 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया था। लेकिन 2025 में 5.08 करोड़ लोगों को इसमें शामिल किया गया। इसमें 25 और जिलों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मौसम की चरम स्थितियां (जैसे बाढ़, सूखा) लोगों की आजीविका को प्रभावित करेंगी। हालांकि, पिछले साल की तुलना में स्थिति कुछ बेहतर रहेगी।

2023 से 2024 के बीच पाकिस्तान में लगभग 1.18 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का शिकार थे, जो कि 2024 की चरम सीमा (पीक) थी और यह 2023 के बराबर ही रही। 2018 से 2024 की शुरुआत तक बलूचिस्तान और सिंध में गंभीर कुपोषण के मामले लगातार उच्च स्तर पर रहे। वैश्विक तीव्र कुपोषण (जीएएम) का स्तर कई जिलों में 10त्न से ऊपर और कुछ में 30त्न से ज्यादा था। पर्याप्त फंड न मिलने के कारण पोषण सेवाओं की पहुंच भी सीमित रही। 2025 में जलवायु आपदाएं और गंभीर खाद्य संकट कुपोषण की पहले से ही गंभीर स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 की सर्दियों में (नवंबर 2023 से जनवरी 2024 तक) 1.18 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का शिकार थे, जिनमें से 22 लाख लोग आपात स्थिति में थे। मार्च 2023 से जनवरी 2024 के बीच 6 महीने से 5 साल तक के 21 लाख बच्चों को कुपोषण का सामना करना पड़ा। बच्चों को मिलने वाला भोजन गुणवत्ता और मात्रा दोनों में कम था। सर्दियों में जब खाने की कीमतें बढ़ती हैं और बाजारों तक पहुंच कम हो जाती है, तब यह स्थिति और बिगड़ जाती है।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में भी कुपोषण बहुत अधिक था, जिसके कारण कम वजन के बच्चे पैदा होने की घटनाएं ज्यादा थीं, खासकर सिंध और खैबर पख्तूनख्वा में। सर्दियों के दौरान डायरिया, सांस की बीमारी और मलेरिया के मामले बढ़े। स्वच्छ पानी और शौचालय की सुविधाएं भी बाढ़ के बाद कम हो गई हैं। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में बाधा रही। सड़कों का बंद होना और लोगों को कम स्वास्थ्य जानकारी मुख्य कारण रहे। साथ ही, फंड की कमी के कारण पोषण सेवाओं की स्थिति और खराब हो गई है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि 2025 में जलवायु संकट और भोजन की कमी से पहले से ही गंभीर कुपोषण और बढ़ सकता है।

भारत में कई बांग्लादेशी प्रोडक्ट्स की लैंड-पोर्ट से एंट्री बैन

रेडीमेड कपड़े और प्रोसेस्ड फूड अब चुनिंदा रूट्स से आएंगे,नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को व्यापार नियमों में बदलाव करते हुए बांग्लादेश से आने वाले फल, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, प्रोसेस्ड फूड, कॉटन, प्लास्टिक और लकड़ी के फर्नीचर के नार्थ ईस्ट के लैंड पोर्ट से इम्पोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत के मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अंतर्गत आने वाले डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने इसे लेकर नोटिफिकेशन जारी किया। नोटिफिकेशन के मुताबिक बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट का इम्पोर्ट अब सिर्फ न्हावा शेवा (जवाहर पोर्ट) और कोलकाता पोर्ट के जरिए ही किया जा सकेगा। बाकी सभी

लैंड पोर्ट (स्थलीय बंदरगाहों) से एंट्री पर रोक लगा दी गई है। बांग्लादेश से आने वाली खेपों को असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के चंगराबंधा और फुलबारी में स्थित किसी भी लैंड कस्टम्स स्टेशन या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए एंट्री करने पर रोक रहेगी। हालांकि विभाग ने साफ किया कि ये पोर्ट प्रतिबंध भारत से होकर नेपाल और भूटान जाने वाले बांग्लादेशी सामान पर लागू नहीं होंगे। इन प्रतिबंधों में मछली, एडिबल ऑयल, और क्रस्ट स्टोन को छूट दी गई है। ये सामान इन बंदरगाहों के जरिए इम्पोर्ट किए जा सकते हैं। ये बदलाव भारत की इम्पोर्ट पॉलिसी में तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। इससे पहले भारत ने 9 अप्रैल 2025 को बांग्लादेश को 2020 से दी गई ट्रांस शिपमेंट सुविधा वापस ले ली थी। इस सुविधा से बांग्लादेश भारतीय बंदरगाहों और दिल्ली एयरपोर्ट के जरिए मिडिल ईस्ट और यूरोप को सामान एक्सपोर्ट कर सकता था। बांग्लादेश ने 2023 में 38 अरब डॉलर के रेडीमेड कपड़े इम्पोर्ट किए थे।

यूनुस के बयान पर संजीव सान्याल ने आपत्ति जताई

भारतीय एक्सपोर्टर्स लंबे वक्त से ऐसे इम्पोर्ट पर रोक की मांग कर रहे थे। बांग्लादेश सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने कुछ महीने पहले चीन में कहा था कि भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्य जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है, ये लैंड लॉक्ड हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। बांग्लादेश उस रीजन में समुद्र का इकलौता गार्डियन है। इससे निवेश का बड़ा अवसर मिलता है। इस बयान पर भारतीय अर्थशास्त्री और पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने आपत्ति जताई थी। सान्याल ने कहा था कि चीन, बांग्लादेश में निवेश करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन यूनुस की तरफ से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लैंड लॉक्ड होने का हवाला देकर की गई अपील हैरान करने वाली है।

केले को बचायें रोग-कीटों से

रोग -

पनामा बिल्ट या उकठा - यह बीमारी फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम नामक फफूंद के द्वारा फैलती है पौधे की पत्तियां मुरझाकर सूखने लगती हैं केले का पूरा तना फट जाता है प्रारंभ में पत्तियां किनारों से पीली पड़ती हैं प्रभावित पत्तियां डण्ठल से मुड़ जाती हैं प्रभावित पीली पत्तियां तने के चारों ओर स्कर्ट की तरह लटकती रहती हैं। आधार पर (निचले भाग) तने का फटना बीमारी का प्रमुख लक्षण है। बैस्कूलर टिश्यू जड़ों और प्रकंद में पीले, लाल एवं भूरे रंग में परिवर्तित हो जाते हैं पौधा कमजोर हो जाता है। जिसके कारण पुष्पन फलन नहीं होता है। इस बीमारी की फफूंद जमीन में अनुकूल तापक्रम, नमी एवं पी.एच. की स्थिति में लम्बी अवधि तक रहता है।

नियंत्रण

- गन्ना एवं सूरजमुखी के फसल चक्र को अपनाने से बीमारी का प्रकोप कम हो जाता है।
- सकर्स को लगाने के पूर्व 0.2 प्रतिशत बाविस्टीन के घोल में डुबोकर लगाना चाहिए।
- ट्राइकोडर्मा बिरिडी जैविक फफूंदनाशक का उपयोग करना चाहिए।
- जिलेटिन केप्सूल में 50 ग्राम बाविस्टीन भरके कैप्सूल अप्लीकेटर के सहारे कंद में 45 डिग्री कोण पर रखने से बीमारी पर अच्छा नियंत्रण देखा गया है।

लीफ स्पाट (सिंगाटोका)

यह बीमारी स्यूडोसर्कोस्पोरा म्यूसी फफूंद के कारण होती है। इस बीमारी के प्रकोप से पत्तियों में क्लोरोफिल की कमी हो जाती है। क्योंकि टिशू हरे से भूरे रंग के हो जाते हैं। धीरे-धीरे पौधे सूखने लगते है। प्रारंभ में पत्तियों पर छोटे धब्बे दिखाई देते हैं। फिर यह पीले या हरी पीली धारियों में बदल जाते हैं। जो पत्तियों को दोनों सतहों पर दिखाई देते हैं अंत में यह धारियां भूरी एवं काली हो जाती हैं। धब्बों के बीच का भाग सूख जाता है।

नियंत्रण -

प्रभावित सूखी पित्तियों को काटकर जला देना चाहिए। फफूंद नाशक दवाएं जैसे डाइथेन एम-45, 1250 ग्राम/हेक्टेयर या बाविस्टीन 500 ग्राम/हेक्टेयर या प्रोपीकोनाजोल 0.1 प्रतिशत का छिड़काव टिपॉल के साथ अक्टूबर माह से 3-4 छिड़काव 2-3 सप्ताह के अंतराल से करने से बीमारी पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

एन्थ्रेक्नोज

यह बीमारी कोलेट्रोट्राईकम मुसे नामक फफूंद के कारण फैलती है। यह बीमारी केले के पौधे में बढ़वार के समय लगती है। इस बीमारी के लक्षण पौधों की पत्तियों, एवं फल के छिलके पर छोटे काले गोल धब्बों के रूप में दिखाई देते है। इस बीमारी का प्रकोप जून से सितम्बर तक अधिक होता है क्योंकि इस समय तापक्रम ज्यादा रहता है।

नियंत्रण

- प्रोक्लोराक्स 0.15 प्रतिशत या कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।
- केले को 3/4 परिपक्वता पर काटना चाहिये।

शीर्ष गुच्छ

(बंचीटाप) पत्तियों की भीतरी मिडरिब की द्वितीयक नसों के साथ अनियमित गहरी (मोर्सकोड) धारियां शुरू के लक्षण के रूप में दिखाई देती है ये असामान्य लक्षण गहरे रंग की रेखाओं में एक इंच या ज्यादा लम्बी अनियमित किनारों के साथ होते हैं। पौधों का ऊपरी सिरा एक गुच्छे का रूप ले लेता है। पत्तियां छोटी व संकरी हो जाती है। किनारे ऊपर की ओर मुड़ जाते हैं डण्ठल छोटा व पौधे बौने रह जाते हैं और फल नहीं लगते हैं। इस बीमारी के विषाणु का वाहक पेन्टोलेनिया नाइग्रोनरवोसा नामक माहू है।

नियंत्रण

- रोगग्रसित पौधों की निकालकर नष्ट कर देना चाहिये।
- रोग वाहक कीट नियंत्रणके लिये मेटासिस्टॉक्स 1.25 मि.ली. या डेमेक्रान 0.5 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
- रोग रहित सकर्स का चुनाव करें।

अन्ना मुझिचुक ने जीता फीडे महिला ग्रां प्री का खिताब पर चीन की झू जिनर नें बनाई कैंडिडैट में जगह

ग्रॉसलोबमिंग, ऑस्ट्रिया (एजेंसी)। 2024-2025 फीडे महिला ग्रां प्री का अंतिम चरण ऑस्ट्रिया के ग्रॉसलोबमिंग में समाप्त हुआ और इसके साथ ही छह टूर्नामेंटों की इस प्रतिष्ठित श्रृंखला का समापन हुआ। यूक्रेन की अन्ना मुझिचुक ने ऑस्ट्रिया चरण में पहला स्थान साझा करते हुए टूर्नामेंट तो जीत लिया, लेकिन यह जीत उन्हें 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में स्थान दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं रही।

पूरे ग्रां प्री श्रृंखला के अंकों को जोड़ने पर चीन की झू जिनर ने पहला स्थान हासिल कर कैंडिडेट्स का टिकट पक्का किया, जबकि दूसरा स्थान रूस की अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना को मिला और इस तरह अगले कैंडिडैट में इन दोनों का स्थान पक्का हो गया है । अन्ना मुझिचुक कुल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रहीं।

अंतिम राउंड का रोमांच

अन्ना मुझिचुक के पास आखिरी राउंड में भारत की वैशाली रमेशबाबू के खिलाफ जीत दर्ज कर ग्रां प्री श्रृंखला और कैंडिडेट्स स्थान दोनों हासिल करने का मौका था। फ्रेंच डिफेंस में खेले गए इस मुकाबले में अन्ना ने एक प्यादा जीतकर 'ए' फाइल पर पासर बना लिया और धीरे-धीरे दबाव बनाना शुरू किया। लेकिन एंडगेम में उन्होंने सही दिशा में खेल नहीं बढ़ाया और मुकाबला ड्रॉ हो गया।

वहीं, झू जिनर भी अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक के खिलाफ मुकाबले में एक समय पूरी तरह से हार की कगार पर थीं, लेकिन कोस्टेनियुक की चूक ने उन्हें बराबरी करने का मौका दे दिया। यह ड्रॉ झू के लिए निर्णायक साबित हुआ, जिससे उन्होंने ग्रां प्री का खिताब और कैंडिडेट्स स्थान दोनों पक्का कर लिया।

वैशाली रमेशबाबू का प्रदर्शन

भारत की उम्मीदों का दारोमदार वैशाली रमेशबाबू पर था। टूर्नामेंट की शुरुआत उन्होंने दो जीत और दो ड्रॉ के साथ शानदार ढंग से की थी, लेकिन अंतिम पांच राउंड में वह केवल 1.5 अंक ही जोड़ सकीं। अंतिम राउंड में अन्ना मुझिचुक के खिलाफ ड्रॉ कर उन्होंने उन्हें टूर्नामेंट में एकल जीत से रोक जरूर दिया, पर खुद 4.5/9 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

समापन समारोह में विश्वनाथन आनंद ने भी शिरकत की और भारत में शतरंज के उभार पर चर्चा करते हुए कहा संरचना, संस्कृति और प्रयास यही भारत की सफलता के तीन स्तंभ हैं। उन्होंने महिला शतरंज में और प्रगति की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उनकी कप्तानी बिल्कुल सटीक रही है

बांगर ने आईपीएल 2025 में रजत पाटीदार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए कप्तान और बल्लेबाज दोनों के रूप में रजत पाटीदार के बढ़ते प्रभाव की आरसीबी के पूर्व मुख्य कोच और जियोस्टार विशेषज्ञ संजय बांगर ने प्रशंसा की है जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के दौरान दाएं हाथ के इस खिलाड़ी के संयमित नेतृत्व और परिपक्वता पर प्रकाश डाला।

पाटीदार की दोहरी भूमिका के बारे में बात करते हुए बांगर ने जियोहॉटस्टार पर टिप्पणी करते हुए कहा, कभी-कभी यह सिर्फ गेंदों की संख्या के बारे में होता है। यदि शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, तो आपके मौके सीमित हैं। साथ ही, शीर्ष प्रदर्शन करने वालों से घिरे होने का मतलब है कि आपको तीन या चार विफलताओं को बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहिए।

टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशित प्रकृति के बावजूद पाटीदार बल्ले और अपनी सामरिक कौशल दोनों के साथ अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे हैं। बांगर ने कहा, %रजत ने जिम्मेदारी को बहुत अच्छे से निभाया है। उनकी कप्तानी शानदार रही है। उन्होंने बल्ले से इस सीजन की शुरुआत दमदार तरीके से की और जब भी उन्होंने क्रीज पर समय बिताया, उन्होंने प्रभावित करना जारी रखा। टी20 में आप कुछ मौकों पर चूक जाते हैं - यह प्रारूप की प्रकृति है।

भारत के खिलाफ श्रृंखला से पहले ईसीबी ने डेटा विश्लेषकों को किया बर्खास्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला से शुरू होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 'इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की श्रृंखला में शामिल नहीं होंगे। इस श्रृंखला से हैरी ब्रूक कप्तान के तौर पर अपने एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की की तुलना में टी20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है।

मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है। उन्होंने कहा, 'इस दृष्टिकोण के तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और प्रदर्शन के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएंगे। इसके साथ ही मैच वाले दिनों में ड्रेसिंग रूम को अव्यवस्थित होने से बचाने के लिए सहायक कर्मचारियों की संख्या में कमी की गई है।

वास्तव में इंग्लैंड का दृष्टिकोण भारत के विपरीत रहा है, जहां राहुल द्रविड़ के युग में डेटा पर अधिक जोर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 'खिलाड़ी अपने स्तर पर विश्लेषकों की सलाह ले सकते हैं लेकिन उन्हें अंतर्मन पर अधिक भरोसा करने की सलाह दी जाएगी।

सोसायटियों में ताख पर नियम, नहीं करवा रहे कुत्तों का रजिस्ट्रेशन

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम की पॉश सोसायटियों में पालतू कुत्तों को लेकर बनाए गए नियमों की अनदेखी हो रही है। नगर निगम की ओर से पालतू कुत्तों के रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य किया गया है, लेकिन इसके बावजूद कई सोसायटी निवासी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

इसको लेकर निगम अब आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन) और सोसायटी प्रबंधन को जागरूक करेगा, ताकि पालतू कुत्तों के रजिस्ट्रेशन और देखरेख को लेकर सख्ती बरती जा सके।

नगर निगम ने बीते एक साल में 2290 कुत्तों का रजिस्ट्रेशन किया है। यह आंकड़ा बीते वर्षों की तुलना में बेहतर है, लेकिन यह अभी भी गुरुग्राम में पालतू कुत्तों की वास्तविक संख्या से काफी कम है।

सोसायटी की लिफ्ट, पार्क क्षेत्र में कुत्तों को खुला छोड़ने और लोगों को काटने के कई मामले सामने आ चुके हैं। कई बड़ी सोसायटियों में पालतू कुत्तों को लिफ्ट और पार्क क्षेत्रों में बिना पट्टे के खुले छोड़ दिया गया।

कई बार यह कुत्ते अन्य निवासियों पर झपटते हैं, जिससे झगड़े और शिकायतें बढ़ती जा रही हैं। कुछ मामलों में लोगों को चोटें भी आई हैं और मामला पुलिस थाने तक भी पहुंचा, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। नगर निगम द्वारा निर्धारित नियमों के तहत प्रत्येक पालतू कुत्ते का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। मालिक को यह सुनिश्चित करना होता है कि कुत्ते को सार्वजनिक स्थानों पर ले जाते समय पट्टा लगा हो और वह किसी को नुकसान न पहुंचाए। इसके अलावा, पालतू जानवरों का टीकाकरण, स्वच्छता और उचित देखभाल की जिम्मेदारी भी मालिक की ही होती है।

नगर निगम के अनुसार, बीते 12 महीनों में कुल 2290 कुत्तों का पंजीकरण किया गया है। यह प्रयास पालतू जानवरों की पहचान और ट्रैकिंग के लिए किया जा रहा है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनकी जानकारी आसानी से मिल सके।

कई सोसायटियों में पालतू कुत्तों को खुला छोड़ने पर 500 रुपये जुर्माना लगाने का नियम लागू किया गया है।

इंटरचेंज के लिए राजीव चौक पर बनेगा एक और फ्लाईओवर

दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर मिलेगी जाम से मुक्ति

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे के राजीव चौक फ्लाईओवर के ऊपर एक और फ्लाईओवर बनाने की योजना भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बनाई है।

इसके ऊपर डेढ़ करोड़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे। फ्लाईओवर बनने से दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे की गाड़ियां सीधे गुरुग्राम-सोहना हाईवे और गुरुग्राम-सोहना हाईवे की गाड़ियां सीधे एक्सप्रेसवे के ऊपर चली जाएंगी। इससे जाम का झंझट दूर होगा।

फिलहाल राजीव चौक पर 24 घंटे ट्रैफिक का दबाव रहता है। एक्सप्रेसवे से हाईवे पर और हाईवे से एक्सप्रेसवे पर गाड़ियों के आने-जाने में कई बार आधे घंटे से भी अधिक लग जाता है जबकि एक मिनट भी नहीं लगना चाहिए।

फ्लाईओवर बनाए जाने का लाभ दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को भी मिलेगा। दिल्ली आने वाली अधिकतर गाड़ियां (जिन्हें मुंबई की ओर जाना है) गुरुग्राम-सोहना हाईवे से होते हुए ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जाती हैं।

राजीव चौक पर ट्रैफिक का दबाव शहर में सबसे अधिक है। इसे देखते हुए कई साल पहले अंडरपास का निर्माण किया गया, लेकिन ट्रैफिक दबाव में अधिक अंतर नहीं दिख रहा है।

अब राजीव चौक फ्लाईओवर के ऊपर एनएचएआइ ने इंटरचेंज बनाने की योजना बनाई है। योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जीएमडीए एवं बीएसएनएल से एनएचएआई का सहयोग चाहिए।

एनएचएआई की इच्छा है कि जीएमडीए कम से कम 20 से 25 प्रतिशत राशि का सहयोग करे। राजीव चौक के नजदीक बीएसएनएल की जमीन है। फ्लाईओवर के निर्माण में कुछ जमीन की आवश्यकता पड़ेगी। इस संबंध में जल्द ही बैठक होगी। आवश्यकता पड़ने पर वह प्रदेश सरकार से भी सीधी बात करेंगे। जीएमडीए की बैठक में भी इस विषय को रखा जाएगा। राजीव चौक पर बना वर्तमान फ्लाईओवर 10 मीटर ऊंचा है। फ्लाईओवर के दोनों तरफ 25 मीटर ऊंचे पिलर बनाकर फ्लाईओवर बनाया जाएगा। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि दो साल में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे का कायाकल्प किया जाएगा। प्रयास होगा कि इसी दौरान राजीव चौक पर भी इंटरचेंज बन जाए।

बांग्लादेश अवैध भारतीयों को कानूनी प्रक्रिया से बाहर निकालेगा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) मोहम्मद जहांगीर आलम चौधरी ने कहा है कि देश में अवैध रूप से रह रहे भारतीय नागरिकों को उचित राजनयिक चैनलों के माध्यम से वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत की तरह दबाव बनाने में शामिल नहीं है, बल्कि कूटनीति के माध्यम से मुद्दों को सुलझाने में विश्वास करता है। देश ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय कानूनों और प्रोटोकॉल का पालन किया है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय ने इस मामले में भारत को पहले ही पत्र लिख दिया है। विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तथा रोहिंग्या मामलों पर मुख्य सलाहकार के उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान इस मुद्दे पर भारत के साथ कूटनीतिक संवाद कर रहे हैं। अगर कोई भारतीय नागरिक बिना अनुमति के बांग्लादेश में रहता पाया गया तो कानूनी प्रक्रियाओं के बाद उसे वापस भेजा जाएगा। उन्होंने कहा, हमने भारत से अनुरोध किया है कि वह घुसपैठ न कर, औपचारिक प्रत्यावर्तन प्रक्रियाओं का पालन करे।

फिनलैंड में हवा में दो हेलीकॉप्टर की हुई भीषण टक्कर, 5 लोगों की मौत

फिनलैंड, एजेंसी। फिनलैंड में एक बड़ी दुर्घटना घटी है, जहां हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर जमीन पर गिरकर क्रैश हो गए।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त दोनों हेलिकॉप्टर में पांच लोग ही सवार थे।

हादसे को लेकर पुलिस ने बयान जारी कर कहा, इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। पीड़ितों की पहचान की जा रही है और पुलिस व अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव व जांच कार्य में जुटी हुई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन दोनों हेलिकॉप्टर्स ने एस्टोनिया से उड़ान भरी थी और इनमें कुछ व्यवसायी सवार थे। एक हेलिकॉप्टर में तीन लोग बैठे थे और दूसरे में दो लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फिलनैंड के कौटुआ शहर के पास दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में यूरा हवाई अड्डे के पास एक जंगली इलाके में हुई है।

नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोहान्स सिरिला ने बताया, ÷शनिवार को यूरा हवाई अड्डे के पास दो हेलिकॉप्टर के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई।÷ उन्होंने बताया कि दोनों हेलिकॉप्टर फिनलैंड के बाहर पंजीकृत थे।

फिनलैंड के हेलसिंगिन सनोमैट अखबार का हवाला देते हुए एस्टोनियाई पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर एस्टोनिया में और दूसरा ऑस्ट्रिया में पंजीकृत था और दोनों हेलिकॉप्टर एस्टोनियाई कंपनी के थे।

हादसे की असली वजह क्या थी, इस पर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, न तो मौसम खराब की जानकारी सामने आई है और न ही तकनीकी खराबी की। जांच एजेंसिया अब ब्लैक बॉक्स, फ्लाइट रिकॉर्ड्स और चश्मदीदों के बयान के आधार पर इस टक्कर की वजह जानने में जुटी है।

गाजा से हमास के खात्मे तक नहीं रुकेगा इजरायल, ताजा हमलों में 250 मरे, कतर में युद्धविराम पर शुरू हुई वार्ता

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया छोड़ते ही इजरायल ने गाजा में सैन्य अभियान तेज कर दिया है। गाजा में इजरायल के दो दिनों के हमलों में 250 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। मृतकों में जबालिया शरणार्थी शिविर के एक टेंट में मरे चार बच्चे भी शामिल हैं।

इस बीच कतर की राजधानी दोहा में युद्धविराम को लेकर इजरायल और हमास में परोक्ष वार्ता भी शुरू हो गई है। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि ऑपरेशन गिडिआन चैरियट्स का उद्देश्य गाजा से हमास के खात्मे का है। इस दौरान इजरायली सेना करीब दो दर्जन बंधकों को हमास की कैद से मुक्त कराने के लिए हर संभव कोशिश करेगी। इन लोगों को हमास के लड़ाकों ने सात अक्टूबर, 2023 को इजरायली शहरों से अगवा करके बंधक बना रखा है। हमास पर दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से इजरायली सेना गाजा में ढाई महीने से खाद्य सामग्री, पेयजल, दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति रोके हुए हैं। गाजा की सीमा पर आवश्यक सामग्री लिए करीब नौ हजार ट्रक खड़े हुए हैं। इसके चलते गाजा में 20 लाख से ज्यादा की आबादी के लिए एक-एक पल काटना मुश्किल हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र सहित कई वैश्विक संगठनों ने गाजा में बच्चों, किशोरों और महिलाओं के कुपोषण का शिकार होने की बात कही है, साथ ही भुखमरी की आशंका जताई है।

मेक्सिकन नेवी शिप न्यूयॉर्क में ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया

9 लोग घायल, 2 की मौत 277 लोग थे सवार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में शनिवार शाम को एक बड़ा हादसा हुआ जब मैक्सिकन नौसेना का जहाज 'कुआउतेमोक' ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस हादसे में जहाज पर सवार कम से कम 19 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की पुष्टि न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक प्रेस ब्रीफिंग में की है। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात 8:26 बजे हुई, जब जहाज ब्रुकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने का प्रयास कर रहा था।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हादसे के ठीक पहले के क्षण कैद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जहाज ब्रिज के काफी नजदीक पहुंच जाता है और उसके 147 फीट ऊंचे दो मस्तूल पुल से टकरा जाते हैं। जहाज रोशनी से सजा हुआ था और उसपर अधिकतर कैडेट सवार थे।

टक्कर के समय कुआउतेमोक जहाज के ऊपरी हिस्से पर कई सफेद ड्रेस में नाविक मौजूद थे, जो टक्कर लगते ही नीचे गिरने लगे। कुछ ने मस्तूल को पकड़कर गिरने से बचने की कोशिश की। घटनास्थल पर मौजूद लोग भी डर के मारे इधर-उधर भागते नजर आए। न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, दुर्घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अभी तक सभी घायलों की पहचान उजागर नहीं की गई है, लेकिन सभी चोटें जहाज पर सवार लोगों को ही आई हैं। हादसे की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। आपको बता दें कि मैक्सिकन नौसेना का एक प्रतिष्ठित प्रशिक्षण पोत है, जो अक्सर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा करता है और नौसैनिक कैडेटों को प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग में लाया जाता है। इसमें कुल 277 लोग सवार थे, जिनमें नाविक, अधिकारी और कैडेट शामिल थे।

277 लोगों को लेकर चला था मेक्सिकन जहाज: कुआउतेमोक जहाज 297 फीट लंबा और 40 फीट चौड़ा है। यह 1982 में पहली बार चला था। हर साल नेवल स्कूल की कक्षाएं खत्म होने के बाद यह कैडेट्स की ट्रेनिंग के लिए रवाना होता है। इस साल 6 अप्रैल को यह मेक्सिको के अकापुल्को बंदरगाह से 277 लोगों के साथ रवाना हुआ था।

जहाज को 15 देशों के 22 बंदरगाहों, जैसे किंग्स्टन (जमैका), हवाना (क्यूबा), कोजुमेल (मेक्सिको), न्यूयॉर्क, रेकजाविक (आइसलैंड), बोर्डो, सेंट मालो, डंकर्क (फ्रांस), और एबरडीन (स्कॉटलैंड) में रुकना था। कुल 254 दिन की यात्रा में 170 दिन समुद्र में बीतने थे।

142 साल पुराना है न्यूयॉर्क का ब्रुकलिन ब्रिज: हादसे की वजह से 142 साल पुराने ब्रुकलिन ब्रिज को बड़ा नुकसान नहीं हुआ। हादसे के वजह की जांच चल रही है। ब्रुकलिन ब्रिज का निर्माण 1883 में हुआ था। यह लगभग 1,600 फीट लंबा है और दो पत्थर के टावरों पर टिका है।